CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 08 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

पतंग के जन्म के बारे में ठीक-ठीक जानकारी तो इतिहास में नहीं मिलती, पर कुछ ठोस जानकारी के हिसाब से करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मजाक-मजाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की पहली पतंग बन गई। बाद में कुछ चीनी व्यापारियो से होते हुए यह विश्वभर में प्रचलित हो गई।

आज भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में होने वाले काईट उत्सव से हर कोई परिचित है। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हर वर्ष विश्व के कोने-कोने से प्रतियोगी भारत आते हैं। इन दिनों गुजरात की छठा ही निराली होती है। आसमान में उडती रंगबिरंगी पतंगें मानो जादू सा कर देतीं हैं, हर कोई इस उत्सव में खिचा चला आता है। पूरा आसमान विभित्र आकारों की रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है।

दो हजार ग्यारह में देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर पतंगबाजी आईपीएल दो दिन हुआ था। पहले दिन देश के कोने-कोने से आये खिलाड़ी पेंच लड़ाते नजर आये दूसरा दिन आम लोगों के नाम हुआ। इस मुकाबले में महिलाओं को भी हुनर दिखने का मौक़ा मिला। वैसे तो भारत में बच्चे गर्मियों की छुट्टी में पतंग उड़ाते हैं किन्तु कई राज्यों में मकर-संक्रांति, छब्बीस-जनवरी एवं पंद्रह अगस्त को पतंग उड़ाई जाती हैं। ऊंचीं उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है तो नकारात्मकता स्वयं दूर हो जाती है।

पतंगबाजी मानव को कल्पनाशील भी बनाती है। जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धेर्य तथा साहस की परीक्षा होती है। पतंगबाजी से पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाता है।

I. दुनिया की पहली पतंग कहाँ उड़ाई गई ?
   i. चीन
   ii. अहमदाबाद
   iii. गुजरात

iv. भारत

II. काईट उत्सव कहाँ मनाया जाता है?

i. गुजरात

ii. भारत

iii. दिल्ली

iv. अहमदाबाद

III. भारत में पतंग कब-कब उड़ाई जाती है?

i. छब्बीस जनवरी

ii. पंद्रह अगस्त

iii. मकर संक्रांति

iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

IV. राजधानी दिल्ली में पतंग आईपीएल कब हुआ था ?

i. 2012

ii. 2011

iii. 2013

iv. 2014

V. पतंगबाज़ी मानव को कैसा बनाती है ?

i. कल्पनाहीन

ii. कल्पनाशील

iii. विवेकहीन

iv. मूर्ख

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

'विष्णु-पुराण' के प्रथम अंश के नवें अध्याय में इस अमृत-मंथन के कारणों का स्पष्ट उल्लेख है कि फूलों की माला का अपमान करने के प्रायश्चित स्वरूप देवताओं को अमृत-मंथन करना पड़ा। वह कथा इस प्रकार है कि दुर्वासा ऋषि ने पृथ्वी पर विचरण करते हुए एक कृशांगी के जिसकी बड़ी-बड़ी आँखें थी, हाथ में एक दिव्य माला देखी। उन्होंने उस विद्याधरी से उस माला को माँग लिया और उसे किसी अति विशिष्ट व्यक्ति की गर्दन में डालने की बात सोचने लगे।

तभी ऐरावत पर चढ़े देवताओं के साथ आते हुए इंद्र पर उनकी नज़र पड़ी उन्हें देखकर दुर्वासा ने उस माला को इंद्र के गले में डाल दिया लेकिन इंद्र ने अनिच्छापूर्वक ग्रहण करके उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया। ऐरावत उसकी गंध से इतना विचलित हो उठा कि फौरन सूंड से लेकर उसने माला को पृथ्वी पर फेंक दिया। संयोगवश वह माला दुर्वासा के ही पास जा गिरी। इंद्र को पहनाई गई माला की इतनी दुर्दशा देखकर दुर्वासा को क्रोध आना स्वाभाविक था। वह वापस इंद्र के पास लौटकर आए और कहने लगे 'अरे ऐश्वर्य के घमंड में चूर अहंकारी! तू बड़ा ढीठ है, तूने मेरी दी हुई माला का कुछ भी आदर

नहीं किया।

न तो तुमने माला पहनाते वक्त मेरे द्वारा दिए गए सम्मान के प्रति आभार व्यक्त किया और न ही तुमने उस माला का ही सम्मान किया। इसलिए अब तेरा ये त्रिलोकी वैभव नष्ट हो जाएगा। तेरा अहंकार तेरे विनाश का कारण है जिसके प्रभाव में तूने मेरी माला का अपमान किया। तू अब अनुनय-विनय करने का ढोंग भी मत करना। मैं उसके लिए क्षमा नहीं कर सकता।

I. देवताओं द्वारा 'अमृत-मंथन' करने का कारण क्या था?
   i. इंद्र के द्वारा दुर्वासा की माला का अपमान करना
   ii. इंद्र के द्वारा माला पहनना
   iii. इंद्र का समुद्र मंथन करना
   iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

II. गद्यांश के माध्यम से क्या सीख दी गई है?
   i. दुर्वासा के सामने न पड़ना
   ii. घमंड विनाश का कारण है
   iii. वैभव नष्ट हो जाएगा
   iv. त्रिलोकी विजय करना

III. उन्होंने इंद्र को माला क्यों पहनाई?
   i. क्योंकि वे भगवान थे
   ii. क्योंकि वे दिव्य पुरुष थे
   iii. क्योंकि वे राजा थे
   iv. सभी विकल्प सही हैं

IV. इंद्र ने माला किसे पहना दी?
   i. कृशांगी को
   ii. विद्याधरी को
   iii. ऐरावत को
   iv. दुर्वासा को

V. इंद्र को दुर्वासा के क्रोध का भाजन उनके किस अवगुण के कारण होना पड़ा?
   i. अहंकार के
   ii. विनम्रता के
   iii. सौम्यता के
   iv. विनाश के

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

मैं तो मात्र मृत्तिका हूँ-
जब तुम मुझे पैरों से रौंदते हो।

तथा हल के फाल से विदीर्ण करते हो
तब मैं-
धन-धान्य बनकर मातृरूपा हो जाती हूँ।
पर जब भी तुम
अपने पुरुषार्थ-पराजित स्वत्व से मुझे पुकारते हो

तब मैं
अपने ग्राम्य देवत्व के साथ चिन्मयी शक्ति हो जाती हूँ
प्रतिमा बन तुम्हारी आराध्या हो जाती हूँ।
विश्वास करो
यह सबसे बड़ा देवत्व है कि
तुम पुरुषार्थ करते मनुष्य हो
और में स्वरूप पाती मृत्तिका।

I. पुरुषार्थ को सबसे बड़ा देवत्व क्यों कहा गया है?
   i. क्योंकि पुरुषार्थ हर सफलता का मूलमंत्र है।
   ii. क्योंकि पुरुषार्थ ही सबसे बड़ा देव है।
   iii. क्योंकि पुरुषार्थ सफलता का मूलमंत्र नहीं है।
   iv. सभी विकल्प सही हैं।

II. मिट्टी चिन्मयी शक्ति कब बन जाती है, कैसे?
   i. जब मनुष्य मिट्टी को अपनेपन की भावना से नहीं पुकारता है।
   ii. जब मनुष्य मिट्टी को अपनेपन की भावना से पुकारता है।
   iii. जब मनुष्य मिट्टी को पुरुषार्थ की भावना से पुकारता है।
   iv. जब मनुष्य मिट्टी को परिश्रम को देवत्व की भावना से पुकारता है।

III. काव्यांश में क्या सन्देश निहित है?
   i. मिट्टी को पुरुषार्थ से सींचने का।
   ii. साधारण वस्तु को महत्वहीन न समझना।
   iii. साधारण वस्तु को महत्वहीन समझना।
   iv. मिट्टी को पूजनीय मानना।

IV. मिट्टी को मातृरूपा क्यों कहा गया है ?
   i. क्योंकि वह हमारा भरण - पोषण करती है।
   ii. क्योंकि वह हमारी माता है।
   iii. क्योंकि वह मनुष्य का अहंकार समाप्त करती है।
   iv. क्योंकि वह मिट्टी है।

V. मनुष्य का अहंकार समाप्त होने पर मिट्टी उसके लिए क्या बन जाती है ?

i. पूजनीय

ii. निंदनीय

iii. अपमानित

iv. दुर्मानित

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

अरे! चाटते जूठे पत्ते जिस दिन देखा मैंने नर को
उस दिन सोचा, क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनियाभर को?
यह भी सोचा, क्यों न टेटुआ घोटा जाए स्वयं जगपति का?
जिसने अपने ही स्वरूप को रूप दिया इस घृणित विकृति का।
जगपति कहाँ ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समता संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी?
छोड़ आसरा अलखशक्ति का रे नर स्वयं जगपति तू है,
यदि तू जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है थू है।
ओ भिखमंगे अरे पराजित, ओ मजलूम, अरे चिर दोहित,
तू अखंड भंडार शक्ति का, जाग और निद्रा संमोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुँकारों से जल-थल भर दे,
अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे।
भूखा देख तुझे गर उमड़े आँसू नयनों में जग-जन के
तू तो कह दे, नहीं चाहिए हमको रोने वाले जनखे,
तेरी भूख असंस्कृति तेरी, यदि न उभाड़ सके क्रोधानल,
तो फिर समयूँगा कि हो गई सारी दुनिया कायर निर्बल।

I. कवि क्या देखकर दुनियाभर में आग लगा देना चाहता है?

i. भूखे लोगों को जूठे पत्तलों में खाना खोजते देखने पर।

ii. भूखे लोगों को खाना खाते देखकर।

iii. भूखे लोगों को देखकर।

iv. लोगों को सोता हुआ देखकर।

II. 'वह तो हुआ राख की ढेरी' कवि ऐसा क्यों कह रहा है?

i. क्योंकि जगपति सो गया है।

ii. क्योंकि जगपति राख का ढेर हो गया है।

iii. क्योंकि जग में समानता नहीं आई।

iv. क्योंकि अनाचार फैला हुआ है।

III. 'अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीता भर दे' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

i. यमक अलंकार

ii. अनुप्रास अलंकार

iii. श्लेष अलंकार

iv. उपमा अलंकार

IV. कवि किसको उनकी शक्ति का भान कराना चाहता है?

i. लोगों को

ii. संसार को

iii. स्वयं को

iv. भूखों को

V. कवि ने दुनिया को क्या कहा है?

i. साहसी व निर्बल

ii. कायर व साहसी

iii. कायर व निडर

iv. कायर व निर्बल

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक ________ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?

a. तीन

b. चार

c. एक

d. दो

ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?

a. कर्ता की

b. कर्म की

c. भाव की

d. क्रिया की

iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -

a. भाववाच्य

b. ये सभी

c. कर्तृवाच्य

d. कर्मवाच्य

iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।

a. भाववाच्य

b. कर्मवाच्य

c. क्रियावाच्य

d. कर्तृवाच्य

v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -

a. कर्मवाच्य

b. भाववाच्य

c. संज्ञावाच्य

d. कर्तृवाच्य

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना _________ कहलाता है।

a. अर्थ

b. शब्द

c. भाव

d. पद परिचय

ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दुःख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात

भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।

उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए। हमें तसलीम में सिर खम कर लेना पड़ा-यह है खानदानी तहजीब, नफासत और नज़ाकत !

हम गौर कर रहे थे, खीरा इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म, नफीस यो एब्स्ट्रैक्ट तरीका ज़रूर कहा जा सकता है, परन्तु क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?

नवाब साहब की ओर से भरे पेट के ऊँचे डकार का शब्द सुनाई दिया और नवाब साहब ने हमारी ओर देखकर कह दिया, खीरा लज़ीज होता है, लेकिन होता हैं सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।

ज्ञान-चक्षु खुल गए। पहचाना - ये हैं नई कहानी के लेखक !

I. **'लज़ीज़'** शब्द का क्या अर्थ है?

i. स्वाद

ii. तृप्ति

iii. सुगंध

iv. स्वादिष्ट

II. नवाब साहब के खीरे के इस्तेमाल के तरीके को क्या कहा जा सकता है?

i. नफ़ीस

ii. काल्पनिक

iii. सूक्ष्म

iv. तृप्ति का साधन

III. नवाब साहब का खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट जाना क्या दर्शाता है?

i. बेचैनी

ii. नज़ाकत

iii. भूख

iv. संतुष्टि

IV. नवाब साहब किससे संतुष्ट हो गए ?

i. खीरे से

ii. भूख से

iii. स्वाद की कल्पना से

iv. खीरे की कल्पना से

V. **मेदा** का क्या अर्थ होता है ?

i. खीरा

ii. लज़ीज

iii. मुँह

iv. पेट

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. नेताजी की मूर्ति कहाँ पर लगी हुई थी ?

a. कस्बे के कोने में

b. पानवाले की दुकान पर

c. मुख्य बाज़ार के चौराहे पर

d. अधिकारी के घर पर

ii. फादर बुल्के की मृत्यु किस बीमारी से हुई थी?

a. कोई नहीं

b. जहरबाद

c. टीबी

d. ज्वर

iii. फादर कामिल बुल्के के शोध-प्रबंध का नाम चुनें -

a. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास

b. नीलपंछी

c. राम कथा : उत्पत्ति और विकास

d. कृष्ण काव्य : विभिन्न आयाम

9. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:**

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा।
सुनत लखन के बचन कठोरा। परसु सुधारिं धरेउ कर घोरा।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू। कटुबादी बालकु बधजोगू।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा। अब येहु मरनिहार भा साँचा।

I. परशुराम क्यों क्रोधित हो गए?

i. अपने स्वभाव के कारण

ii. लक्ष्मण के व्यंग्य सुनकर

iii. धनुष टूट जाने के कारण

iv. लक्ष्मण के चुनौती से

II. परशुराम ने सभा से किस कार्य का दोष उन्हें न देने के लिए कहा?

i. लक्ष्मण का वध

ii. लक्ष्मण का अपमान

iii. युद्ध के लिए

iv. श्राप देने के लिए

III. लक्ष्मण के किस कथन से उनकी निडरता का परिचय मिलता है?

i. परशुराम पर व्यंग्य करने

ii. आवाज देकर काल को बुलाने की बात

iii. परशुराम से युद्ध करके

iv. परशुराम को क्रोधित करने से

IV. परशुराम लक्ष्मण को क्यूँ छोड़ रहे थे?

i. योद्धा समझकर

ii. निडर समझकर

iii. बालक समझकर

iv. कटु होने के कारण

V. बधजोगु का क्या अर्थ है?

i. डराने योग्य

ii. युद्ध करने योग्य

iii. छोड़ने योग्य

iv. मारने योग्य

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. परशुराम जी ने लक्ष्मण को ________ में उत्पन्न चंद्रमा पर लगे हुये कलंक के समान कहा है।

a. चंद्रवंश

b. सूर्यवंश

c. यदुवंश

d. शृंगवंश

ii. माँ के अनुसार 'आग' निम्नलिखित में से किसके लिए होती है।

a. अग्नि परीक्षा के लिए।

b. आत्मदाह के लिए।

c. रोटी सेंकने के लिए।

d. जलने के लिए।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. लड़के के देहान्त के बाद बालगोबिन भगत ने पतोहू को कि बात के लिये बाध्य किया? उनका यह व्यवहार उनके किस प्रकार के विचार का प्रमाण है?

ii. लेखक नवाब साहब के जबड़ों के स्फुरण को देखकर क्या अनुभव कर रहे थे? अपने सामने खीरों को देखकर मुँह में पानी आने पर भी उन्होंने खीरे खाने के लिये नवाब साहब के अनुरोध को स्वीकृत क्यों नहीं किया?

iii. देशप्रेम की भावना किसी भी व्यक्ति में हो सकती है उसके लिए हथियार उठाना जरूरी नहीं है 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

iv. "मानवीय करुणा की दिव्य चमक" शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. माँ का अपनी पुत्री का कन्यादान करने का दुःख क्यों प्रामाणिक स्वाभाविक था?

ii. 'उत्साह' कविता में 'नवजीवन वाले' किसके लिए प्रयुक्त किया गया है और क्यों?

iii. भाव स्पष्ट कीजिए-

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. माता का अँचल पाठ में बच्चे को अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ

की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?

ii. आज की पत्रकारिता में चर्चित हस्तियों के पहनावे और खान-पान संबंधी आदतों आदि के वर्णन का दौर चल पड़ा है- इस तरह की पत्रकारिता आम जनता विशेषकर युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव डालती है?

iii. "साना-साना हाथ जोडि' पाठ में प्रदूषण के कारण हिमपात में कमी पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रदूषण के और कौन-कौन से दुष्परिणाम सामने आए हैं? हमें इसकी रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए?

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - आवश्यकता
   - पोषक भोजन
   - लाभकारी सुझाव

ii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - बचत का अर्थ एवं स्वरूप
   - दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
   - वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

iii. **गया समय फिर हाथ नहीं आता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
   - समय ही जीवन है
   - समय का सदुपयोग
   - समय के दुरुपयोग से हानि

15. आए दिन चोरी और झपटमारी के समाचारों को पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में लिखिए।

OR

नीचे दिए गए समाचार को पढ़िए। इसे पढ़कर जो भी विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में लिखिए।

16. किसी **इंडक्शन चूल्हे** का विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

OR

चाय विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

17. रिश्तेदारों को लॉकडाउन के दौरान सुरक्षित रखने हेतु एक संदेश लिखिए।

OR

राष्ट्रपति द्वारा गणतंत्र दिवस की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 08 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) चीन
   II. (iv) अहमदाबाद
   III. (iv) उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं
   IV. (ii) 2011
   V. (ii) कल्पनाशील

OR

   I. (i) इंद्र के द्वारा दुर्वासा की माला का अपमान करना
   II. (ii) घमंड विनाश का कारण है
   III. (ii) क्योंकि वे दिव्य पुरुष थे
   IV. (iii) ऐरावत को
   V. (i) अहंकार के

2. I. (i) क्योंकि पुरुषार्थ हर सफलता का मूलमंत्र है।
   II. (ii) जब मनुष्य मिट्टी को अपनेपन की भावना से पुकारता है।
   III. (ii) साधारण वस्तु को महत्वहीन न समझना।
   IV. (i) क्योंकि वह हमारा भरण - पोषण करती है।
   V. (i) पूजनीय।

OR

   I. (i) भूखे लोगों को झूठे पत्तलों में खाना खोजते देखने पर।
   II. (ii) क्योंकि जग में समानता नहीं आई
   III. (ii) अनुप्रास अलंकार
   IV. (iv) भूखों को
   V. (iv) कायर व निर्बल

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (b) तीन

      Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (c) श्रृंगार रस
      Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।
   ii. (c) उत्साह
      Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।
   iii. (c) रति
      Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।
   iv. (d) स्थायी भाव
      Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।
   v. (d) करुण रस
      Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।
7. I. (iv) स्वादिष्ट
   II. (i) नफ़ीस
   III. (ii) नज़ाकत
   IV. (iii) स्वाद की कल्पना से
   V. (iv) पेट
8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (c) मुख्य बाज़ार के चौराहे पर
      Explanation: नेताजी की मूर्ति कस्बे के मुख्य बाज़ार के चौराहे पर लगी थी ताकि इस पर सबकी नज़र पड़ती रहे।
   ii. (b) जहरबाद
      Explanation: जहरबाद
   iii. (c) राम कथा : उत्पत्ति और विकास
      Explanation: फादर कामिल बुल्के ने हिंदी में शोध भी किया, जिसका विषय था - राम कथा - राम कथा: उत्पत्ति और विकास
9. I. (ii) लक्ष्मण के व्यंग्य सुनकर
   II. (i) लक्ष्मण का वध
   III. (ii) आवाज देकर काल को बुलाने की बात
   IV. (iii) बालक समझकर
   V. (iv) मारने योग्य
10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (b) सूर्यवंश
      Explanation: राम-लक्ष्मण जी सूर्यवंश में उत्पन्न होने के कारण सूर्यवंशी कहलाए।

ii. (c) रोटी सेंकने के लिए।

Explanation: माँ ने कहा आग रोटियाँ सेंकने के लिए होती है।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. लड़के के देहांत के बाद जैसे ही श्राद्ध की अवधि समाप्त हुई वैसे ही बालगोबिन भगत ने पतोहू के भाई को बुला भेजा और उसे यह आदेश दिया गया कि वह पतोहू का पुनर्विवाह करवा दे | उन्होंने अपनी इसी इच्छा के साथ पतोहू को उसके भाई के साथ उसके मायके भेज दिया | यह व्यवहार उनकी रुढ़िवादी प्रगतिशील विचारधारा का परिचायक होने के साथ-साथ विधवा विवाह के समर्थक होने पर भी बल देता है |

ii. लेखक नवाब साहब के जबड़ों के स्फुरण को देखकर उनकी वास्तविक स्थिति को समझ चुके थे | वे उनकी झूठी शान की असलियत को भांप गए थे | खीरा खाने के लिए वे आरंभ में मना कर चुके थे | अतः मुँह में पानी आने पर भी अपने आत्मसम्मान की खातिर उन्होंने खीरा खाने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया |

iii. चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं था, वह गरीब व अपाहिज था, लेकिन उसके मन में देशभक्ति की असीम भावना थी। बिना चश्मे की मूर्ति को देखकर दु:खी होना और उनके प्रति सम्मान की भावना के कारण मूर्ति पर चश्मा लगा देना उसकी देशभक्ति को दर्शाता है | अतः स्पष्ट है कि देशप्रेम की भावना के लिए हथियार उठाना जरुरी नहीं है |

iv. फादर कामिल बुल्के मानवीय करुणा से ओतप्रोत थे। इनके हृदय में पीड़ित व्यक्तियों के लिए करुणा और स्नेह की भावना थी। प्रभु में उन्हें गहरी आस्था थीं। वे दु:खी व्यक्ति को अपार ममता व शांति प्रदान करते थे। एक बार रिश्ता बनाकर उसे जीवनभर निभाते थे।फादर दृढ़ संकल्प और मानवीय गुणों के कारण शीर्षक को सार्थकता प्रदान करते हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. 'माँ को अपनी पुत्री का कन्यादान करने का दुःख प्रमाणिक, स्वाभाविक था क्योंकि उसकी पुत्री (लड़की) अत्यंत भोली-भाली, सरल तथा ससुराल में मिलने वाले दुःखों के प्रति अनजान thi। उस समय माँ को यह लगता है कि लड़की उसकी अन्तिम पूंजी है क्योंकि अपने सभी संस्कारों को माँ अपनी बेटी में भरती है । उसे तो वैवाहिक सुखों के बारे में बस थोड़ा-सा ज्ञान है।

ii. 'तसाह' कविता में 'नवजीवन वाले' बादलों के लिए प्रयुक्त किया गया है क्योंकि बादल गर्मी से संतप्त धरती के ताप को शान्त कर नवजीवन व चेतना प्रदान करते हैं और प्रकृति का वातावरण प्रफुल्लित कर पशु-पक्षी तथा मानव में उत्साह और जोश का संचार करते हैं। कवि भी बादलों की गर्जना से उत्साहित हो जाता है और उसके जीवन में भी नई आशा का संचार होता है | वह समाज में क्रान्ति का सूत्रपात करने में सक्षम है। अतः बादलों को नवजीवन वाले कहना सार्थक है।

iii. परशुराम जी की बातें सुनकर लक्ष्मण हँसकर मीठी वाणी में प्यार से कहते हैं कि मैं जानता हूँ कि आप एक महान योद्धा हैं। लेकिन मुझे बार बार आप ऐसे कुल्हाड़ी दिखा रहे हैं जैसे कि आप किसी पहाड़ को फूँक मारकर उड़ा देना चाहते हैं। ऐसा कहकर लक्ष्मण एक ओर तो परशुराम का गुस्सा बढ़ा रहे हैं और शायद दूसरी ओर उनकी आँखों पर से परदा हटाना चाह रहे हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. भोलानाथ का अपने पिता से अत्यधिक जुड़ाव था फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। मेरे अनुसार इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं-

a. जब भी बच्चा किसी परेशानी में होता है तो वह स्वयं को माँ के पास ही सुरक्षित महसूस करता है। परेशानी में उसे पिता का साथ नहीं भाता ।

b. विपदा के समय मां का प्यार भरा स्पर्श घाव पर मरहम का काम करता है।

c. माँ ममता और वात्सल्य की खान होती है इसलिए जब बच्चे को कोई भी परेशानी होती है तब वह माँ के पास ही जाता है पिता के पास नहीं।

d. विपदा के समय बच्चे को प्यार और दुलार की जरूरत होती है और ये उसे माँ की गोद में ही मिलती है। जितनी कोमलता माँ की गोद में मिलती है उतनी पिता के पास नहीं मिलती।

e. बच्चा अपनी माँ से भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करता है क्योंकि माँ बच्चे की भावनाओं को अच्छी तरह समझती है।

यही कारण है कि बच्चा माँ की गोद में ही सुख, शान्ति और चैन का अनुभव करता है।

ii. युवा पीढ़ी से यहाँ तात्पर्य पढी-लिखी युवा पीढ़ी से है जो अपने मानसिक विकास के लिए कुशल पत्रकारिता पर निर्भर करती है और जब ऐसी पत्रकारिता उनके लक्ष्य को पूर्ण नहीं करती है तब मेरी समझ में यह ओछी पत्रकारिता आमजन विशेषकर युवापीढी पर बहुत बुरा प्रभाव डालती है। यह बुरा प्रभाव पूरी युवा पीढ़ी को अंधकार में भेजने जैसा प्रभाव डालता है। हमारे समाज में कई ऐसे मौके आये हैं जब कुशल पत्रकारिता के सहारे हमारी युवा पीढ़ी ने हमारे देश तक को स्वतंत्र करा दिया। वहीं दूसरी ओर इसमें कोई संदेह नहीं कि ओछी पत्रकारिता युवा पीढ़ी की सोच पर असर डालती है जो सही नहीं हैं। ये आमजन विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी को काफी हद तक भटका सकती है।

iii. लेखिका लाचुंग नामक स्थान पर हिमपात का आनंद लेने की आशा से पहुंची थीं, किन्तु वहाँ बर्फ को कहीं पता न था। उन्हें एक सिकि कमी युवक ने बताया कि प्रदूषण बढ़ने से स्नोफॉल (बर्फ गिरना) में कमी आ गई है। अब बर्फ आपको कटाओ में ही मिलेगी। बढ़ते प्रदूषण के फलस्वरूप अनेक संकट और दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। तापमान में वृद्धि होने से पर्वतों पर हिमपात कम होता जा रहा है और ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, इससे नदियों में जल की मात्रा कम होती जा रही है। जल, वायु, भूमि सभी प्रदूषण के ज़हर से प्रभावित हो रहे हैं। पेड़ काटने से कार्बन डाइऑक्साइड,ऑक्सीजन का संतुलन बिगड़ गया है। न पीने को शुद्ध जल है, न साँस लेने को शुद्ध वायु । लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त और त्रस्त हो रहे हैं। कैंसर, टी.बी.,मधुमेह, मानसिक तनाव और रक्तचाप में वृद्धि आदि से पीड़ित लोगों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। मौसम चक्र बदल रहा है जिसके परिणाम स्वरूप फसलों की पैदावार में कमी आ रही है। प्राकृतिक आपदाओं ने जोर पकड़ रखा है जिसके कारण मनुष्य को धन जन की हानी का सामना करना पढ़ रहा है। वाहनों के बेतहाशा बढ़ते जाने से वायुमण्डल तो विषाक्त हो ही रहा है, लोग मानसिक गड़बड़ी नींद न आना और बहरेपन के शिकार भी हो रहे हैं। वृक्षों की कटाई को रोकना चाहिए। साथ ही अधिकाधिक वृक्षारोपण करना चाहिए तथा प्राकृतिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। कम से कम वाहनों का प्रयोग करना चाहिए जिससे प्रदूषण कम बढ़ेगा । नदियां आदि में गंदे नाले अपशिष्ट पदार्थों को बहाना बंद करवाएं। प्लास्टिक का भी कम से कम प्रयोग करके हम अपनी प्रकृति को सुरक्षित रख सकते हैं। जागरूकता पैदा कर लोगों को पर्वतीय स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा नवयुवकों के द्वारा जनजागरण के कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **स्वास्थ्य की रक्षा**

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

ii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।

जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।

हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

iii. महापुरुषों ने कहा है, "समय बहुत मूल्यवान है। एक बार निकल जाने पर यह कभी वापस नहीं आता।" वास्तव में, समय ही जीवन है। इसकी गति को रोकना असंभव है। संसार में अनेक उदाहरण हैं, जो समय की महत्ता को प्रमाणित करते हैं। जिसने समय के मूल्य को नहीं पहचाना, वह हमेशा पछताया है। इसके महत्त्व को पहचानकर इसका सदुपयोग करने वाले व्यक्तियों ने अपने जीवन में लगातार सफलता प्राप्त की। जो व्यक्ति समय मिलने पर भी अपने जीवन में कुछ नहीं कर पाते, वे जीवन में असफल रहते हैं।

जो विद्यार्थी पूरे वर्ष पढ़ाई नहीं करते, वे फेल होने पर पछताते हैं। तब यह उक्ति कि 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत' चरितार्थ होती है। विद्यार्थी को समय का मूल्य पहचानते हुए हर पल का सदुपयोग करना चाहिए, क्योंकि जो

समय को नष्ट करता है, एक दिन समय उसे नष्ट कर देता है। महान् पुरुषों ने समय का सदुपयोग किया और अपने जीवन में सफल हुए। स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मदर टेरेसा आदि इसके ज्वलंत प्रमाण हैं। अतः हमें समय की महत्ता को समझते हुए इसका सदुपयोग करना चाहिए।

15. सेवा में,

सम्पादक,

नव भारत टाइम्स,

नई दिल्ली

विषय- क्षेत्रीय चोरी और झपटमारी जैसे अपराधों के संबंध में

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। आपके समाचार पत्र के माध्यम से मैं जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान इस विकराल समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जिससे हम सब पीड़ित हैं । हमारे क्षेत्र में आजकल चोरियाँ तथा महिलाओं की चेन झपटना, उनके साथ अभद्र व्यवहार करना, इस प्रकार के अपराध तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं। जहाँ सुनो वहीं पर ऐसी घटनाएँ रोज पढ़ने और देखने को मिलती है। इन्हीं घटनाओं से समाचार पत्र पूरा भरा रहता है। कल रात को मेरे पड़ोस के लाला रामलाल जी के यहाँ भारी चोरी की वारदात हो गयी। चोरों ने योजनबद्ध तरीके से अपना काम किया जिसे देख कर जनता और पुलिस दोनों की आँखें खुली रह गई। आए दिन क्षेत्रों में कोई-न-कोई चोरी होती रहती है। लोग शराब पीकर चोरी व झपटमारी करते हैं तथा पुलिस सिर्फ तमाशा देखती रहती है | अगर किसी के खिलाफ कार्यवाही हो गई तो अगले ही दिन वह खुलेआम घूमता पाया जाता है। पीड़ित को कोई इंसाफ मिलता हो ऐसा दिखाई नहीं देता।

कृपया हमारे इस पत्र को अपने समाचार-पत्र में प्रकाशित करने का कष्ट करें जिससे कि इसे पढ़कर पुलिस के उच्च अधिकारी वर्ग का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित हो तथा वे सम्बन्धित अधिकारियों को सख्त आदेश दे सकें और हमारी समस्या का समाधान हो सके।

सधन्यवाद

भवदीय

पवन कुमार

54, पश्चिम विहार, नई दिल्ली

दिनांक : 17 जनवरी, 2019

OR

सेवा में,

सम्पादक

दैनिक जागरण भवन,

नई दिल्ली

विषय- चिड़ियाघर में घटित हृदयविदारक मौत

महोदय,

निवेदन है कि अपने सम्मानित दैनिक समाचार-पत्र के न्यूज आइटम में नीचे लिखे समाचार को स्थान देकर अनुगृहीत करें- कल मंगलवार को दिल्ली के चिड़ियाघर में सफेद बाघ के हाथों वहाँ घुमने आये एक युवक की मौत हो गई जो हृदय विदारक घटना है। सुरक्षा के घेरे में ऐसी दुःखदायी मौत प्रबन्धन की लापरवाही और उनकी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। पशु तो बेचारे मासूम होते हैं वे नाहक ही किसी पर हमला करते जरूर इसके पीछे कोई कारण रहा होगा। कृपया अपने समाचार-पत्र के माध्यम से पुनरावृत्ति को रोकने हेतु केन्द्र सरकार के सम्बन्धित विभाग को लिखने का कष्ट करें ताकि वास्तविक कारण का पता लग सके और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्यवाही हो सके ।

धन्यवाद

भवदीय

विनोद कुमार

पालम, दिल्ली

16.

क्या आप रसोई गैस की किल्लत से परेशान हैं?

क्या गैस आपके बजट को गड़बड़ा रहा है?

आज ही खरीदें:-

<u>इंडोर इंडक्शन चूल्हा</u>

अब गैस की आधी कीमत से भी कम खर्च।

50% तक बिजली बचाएँ।

प्रारंभिक मूल्य सिर्फ 1999/-

सात दिनों में फ्री होम डिलीवरी

कॉल करें- 1800-02XXXX

OR

200 ग्राम केवल 35 रूपये में

सुस्ती हटाए, ताज़गी लाए

चंचल चाय के संग

भर लो जीवन में उमंग।

चंचल चाय

सबकी पहली पसंद

एक अच्छी सुबह के लिए

चंचल चाय पीजिए

और पूरे दिन ताजगी का अहसास किजीए

न्यु बस स्टेड राजगढ़ अलवर

17.

संदेश

दिनाँक: 24 मार्च, 2020

समय: प्रातः 10 बजे

प्रिय मामा जी,

जैसे की आजकल विश्व भर में कोरोना का प्रकोप जारी है उन्हीं कारणों को देखते हुए भारत सरकार ने देशभर में लॉकडाउन लगाया हुआ है।

लॉकडाउन के दौरान स्वयं को सुरक्षित रखने हेतु आप हाथों को साबुन से बार-बार धोए, मास्क का प्रयोग करें,सामाजिक दूरी रखें, गर्म पानी पीये और नियमित योग करें, बिना कारण के बाहर ना निकले ताकि आप बीमारी से बचें रहें।

"घर में रहें सुरक्षित रहें"

आपका प्रिय

गिरीश

OR

संदेश

26 जनवरी, 2020

प्रातः 6:00 बजे

प्रिय देशवासियों

सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। युवा भविष्य के निर्माता होते हैं, इसलिए आज इस शुभ अवसर पर हम सभी युवाओं को देश हित में समर्पित रहने हेतु दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। जिससे भारत गौरवशाली उन्नति के पथ पर अग्रसर होता रहे और हम अपने देश को सर्वशक्तिशाली बना सकें।

रामनाथ कोविंद